हिन्दी दैनिक

www.itaunjatimes.in

UPHIN/2019/86044

# इटौंजा टाइम्स

समाचार पत्र

वर्ष 6 अंक 168 लखनऊ सोमवार 13 जनवरी 2025 प्रष्ट 4 मूल्य 1 रूपया

## दिल्ली में इस बार २०१३ के पैटर्न पर चुनाव क्यों लड़ रही है BJP

बीजेपी ने दिल्ली चुनाव के लिए अबतक कुल 58 सीटों के लिए उम्मीदवारों का एलान किया है। पहली लिस्ट में जहां पार्टी ने अपने दिग्गजों और सीटिंग उम्मीदवारों पर दांव लगाया था,वहीं दूसरी लिस्ट से यह साफ लग रहा कि पार्टी ने नए चेहरों और संगठन के लोगों पर भरोसा करने के साथ–साथ 2013 वाले जातीय समीकरण दुरुस्त रखने की कोशिश की है।दिल्ली में सरकार बनाने का बीजेपी को अबतक सिर्फ एक बार 1993 में मौका मिला था। यह तब की बात है, जब केंद्र में बीजेपी की एक बार भी सरकार नहीं बनी थी। लेकिन, 1998 के बाद वह फिर दिल्ली में सरकार में नहीं लौटी है। जबकि, केंद्र में तो पिछले तीन बार से लगातार नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार बन रही है। उससे पहले तीन बार अटल बिहार वाजपेयी की अगुवाई में एनडीए की सरकारें बन चुकी हैं।इस बार भाजपा हर हाल में दिल्ली में 27 साल से चले आ रहे अपने वनवास को खत्म करना चाह रही है। लेकिन, सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (।।च) से कड़ा मुकाबला और कांग्रेस की कमजोरियों ने उसकी चुनौती बढ़ा रखी है और पार्टी ने जो 29 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी लिस्ट जारी की है, उससे साफ है कि पार्टी ने हर हाल में दिल्ली की सत्ता में वापसी के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इससे जुड़ी पांच बड़ी बातों के बारे में आगे चर्चा की जा रही है–जाट–गुर्जर वोट बैंक और गांव वाले इलाकों के वोटरों पर फोकसदिल्ली बीजेपी के एक नेता ने वनइंडिया को बताया है कि पार्टी इस बार दिल्ली में वही रणनीति अपना रही है, जो 2013 में उसका पैटर्न था।मसलन,पार्टी ने जाट–गुर्जर वोट बैंक के बीच अपना जनाधार मजबूत करने के लिए इन जातियों

के उम्मीदवारों को फोकस किया है और दिल्ली के गावों वाले इलाकों पर अपना पूरा ध्यान लगा दिया है।बीजेपी ने इस बार 9 जाटों और 7 गुर्जर जाति के लोगों को अबतक टिकट दे दिया है। जबकि, 12 उम्मीदवारों की लिस्ट आगे भी आने की संभावना है।भाजपा नेता के अनुसार पार्टी ने 2013 पर यही रणनीति अपनाई थी और वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। उस चुनाव में बीजेपी को 70 में 31, आम आदमी पार्टी को 28 और कांग्रेस को 8 सीटें मिली थीं। बीजेपी की सहयोगी शिरोमणि अकाली दल को भी 1 सीट मिली थी। तब आप के अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस की मदद से अपनी पहली सरकार बनाई थी।पिछले हफ्ते आप संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के जाटों को ओबीसी की केंद्रीय सूची में डालने की मांग करके इस वोट बैंक को रिझाने बीजेपी ने अपनी दूसरी लिस्ट से उन्हें जवाब देने की कोशिश की है। पार्टी जाट समाज के नेता और पूर्व सांसद परवेश वर्माही नई दिल्ली में केजरीवाल के खिलाफ उतार चुकी है।

## महाकुंभ की जमीन को वक्फ बोर्ड की बताने वाले अब योगी के बयान को सही बताया, क्यों बदल गए शहाबुद्दीन रजवी के सुर

प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ के शुरू होने में अब कुछ दिन बाकी रह गए हैं। योगी सरकार महाकुंभ मेला को दिव्य और भव्य बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। हालांकि, मौलाना शहाबुद्दीन रजवी के कुंभ मेले की जमीन को वक्फ बोर्ड की होने का दावा करने के बाद राजनीति शुरू हो गई है।सीएम योगी आदित्यनाथ ने वक्फ बोर्ड को लेकर जोरदार हमला बोल दिया है। जिसके बाद मौलाना शहाबुद्दीन रजवी का एक नया बयान आ गया है। मौलाना ने मुसलमानों से महाकुंभ आने वाले साधु–संतों और श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा करने की अपील की है। साथ ही कुंभ की तैयारियों और व्यवस्थाओं के लिए सीएम योगी को मुबारकबाद दी है।ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कुंभ मेले में आए साधु–संतों और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी हैं। उनकी ख्वाहिश है कि महाकुंभ का मेला अमन और शांति के साथ अच्छे अंदाज में सम्पन्न हो। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने प्रयागराज के मुसलमानों से अपील की कि वो खुशहाली और सद्भाव के लिए मोहल्लों और गांव से गुजरने वाले श्रद्धालुओं पर फूल वर्षा करके उनका स्वागत करें।उन्होंने कहा कि इस्लाम भाईचारे का मजहब है। पैगम्बर इस्लाम ने प्यार और मोहब्बत की शिक्षा दी है। इसके साथ ही मौलाना ने कहा कि सीएम योगी ने महाकुंभ मेले के लिए बहुत शानदार व्यवस्थाएं की हैं। इसके लिए मौलाना ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मुबारकबाद देते हुए कहा कि करोड़ों लोगों के लिए इंतजाम करना कोई मामूली बात नहीं है।मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने सीएम योगी आदित्यनाथ के वक्फ बोर्ड को लेकर दिए गए बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने जमीन–जायदाद वक्फ को दी थी। इसका मकसद था कि इससे होने वाली कमाई को गरीब, कमजोर और लाचार मुसलमानों पर खर्च की जाएगी। इससे यतीमों और बेवाओं की मदद होगी। आने वाली युवा पीढ़ी के बच्चों की पढ़ाई के लिए खर्चा किया जाएगा, लेकिन ऐसा न होकर जिम्मेदारों ने भूमाफियाओं से मिलकर करोड़ों की जमीन को रेवड़ियों के भाव खुर्दबुर्द कर दिया है। सही मकसद में ये आमदनी खर्च नहीं हो पाई है।वहीं, मौलाना ने कहा कि वक्फ बोर्ड से होने वाली आमदनी को मुसलमानों

की पढ़ाई और आर्थिक हालात में खर्च किए जाते तो पूरे भारत से मुसलमानों की गुरबत खत्म हो जाती। इतना ही नहीं, पूरे भारत में एक भी मुसलमान भीख मांगने वाला नहीं दिखता।

# बाड़ी प्रधान ने DM से पार्क बनाए जाने की मांग की

सिधौली सीतापुर(ललित श्रीवास्तव)तहसील क्षेत्र के बाड़ी ग्राम प्रधान ने सीतापुर जिलाधिकारी को पत्र लिखकर शत्रु संपत्ति की जमीन पर पार्क बनाए जाने की मांग की है। बाड़ी ग्रामसभा के प्रधान जलीस अंसारी ने जिलाधिकारी को भेजे गए पत्र में बताया कि ऐतिहासिक ग्रामसभा बाड़ी में महाकवि नरोत्तम दास जी की जन्मस्थली है, ग्रामसभा में कोई पार्क नहीं है,ग्राम वासियों की मांग है कि ग्राम बाड़ी में आबादी के निकट गाटा संख्या 1226 रकबा 0.417 शत्रु संपत्ति है जिसमें पार्क बना दिया जाए,जबकि मुख्य विकास अधिकारी सीतापुर ने भी पार्क बनाने का आदेश दिया है। जनहित की भावनाओं को देखते हुए उपरोक्त भूमि पर क्रीड़ा स्थल बनाने के लिए ग्रामसभा को उपरोक्त भूमि उपलब्ध करने की कृपा करें।

# बिजली के बिल से आहत हुई बुजुर्ग महिला, साड़ी उतारकर बनाया फंदा... विद्युत समस्या समाधान शिविर में मचा शोर

बिजली के बकाया बिल के कारण उत्पीड़न से तंग आकर महिलाओं ने शनिवार को कलेक्ट्रेट में लगे कैंप में हंगामा किया। काजीपाड़ा की एक महिला ने फंदा लगाने की कोशिश की। पुलिस ने उसे रोका। महिलाओं ने धरना देते हुए जाम भी लगाया। डीएम के आने पर उन्हें घेरकर समस्याएं गिनाईं।दक्षिणांचल और टोरंट पावर के बकाया बिलों की नोटिस से लोग परेशान हैं। शनिवार को कलेक्ट्रेट में लगाए गए कैंप में लोगों को पर्ची देकर बिल जमा करने को कहा गया। इस पर महिलाएं भड़क गईं। कहा कि कैंप में भी वही जवाब है, किसी और का बिल वह क्यों भुगतें। इसी दौरान काजीपाड़ा की महिलाओं ने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस से नोकझोंक हुई।एक महिला ने साड़ी उतारकर फंदा डालने की कोशिश की। उसका कहना था कि पांच लाख रुपये के बकाया का नोटिस दिया गया है, जबकि बिजली कनेक्शन कटे एक साल हो गया। महिलाओं ने गेट पर ही धरना दिया और पुलिस की एक न सुनी। हालांकि समस्या का समाधान न होने पर निराश लौट गईं। कैंप में विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह, पुरुषोत्तम खंडेलवाल, डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी, एमडी नितीश कुमार सहित अधिकारी मौजूद रहे।अधिकारियों ने रुपये जमा कराने को कह दिया। महिलाओं का कहना था कि उनकी लाइट कटे हुए महीनों को गए। वे मजदूरी करने वाले लोग हैं, पांच लाख रुपए का भुगतान कैसे करेंगे। पता भी नहीं है कि ये बकाया कब का है। जब से टोरंट का मीटर लगा है, तब से बिल का भुगतान कर रहे हैं।

# जूना अखाड़े के फैसले पर 13 वर्षीय साध्वी के दादा-दादी का बयान, बोले- हमें क्या पता था..इस बात से हैं खुश

उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के गांव टरकपुरा की राखी जूना अखाड़े की दीक्षा लेकर साध्वी बन गई है। वहीं 13 वर्ष की नाबालिग को साध्वी बनाकर दान के रूप में प्राप्त करने वाले जूना अखाड़े के महंत कौशल गिरि को सात साल के लिए अखाड़े से निष्कासित कर दिया गया है। अब राखी के साध्वी बनने के मामले में उसके दादा–दादी का पहली बार बयान सामने आया है।राखी के 65 वर्षीय दादा रोहतान सिंह धाकरे ने कहा कि हम तो खुश इसलिए हैं क्योंकि अभी इसकी उम्र नहीं है, इस काम के लिए। अखाड़े में शामिल होने की हमें कोई जानकारी नहीं थी। जब मीडिया वाले घर आए तब हमें इसकी जानकारी हुई। दादी राधा देवी ने बताया वह हमारे पास नहीं रहती।दादा से जब पूछा गया कि परिवार का राखी को साध्वी बनाने का निर्णय सही था या फिर जूना अखाड़े का, तो उनका कहना था कि जूना अखाड़ा ने जो निर्णय किया है, वह सही है। कम से कम उम्र तो देखनी चाहिए।13 वर्ष की नाबालिग को साध्वी बनाकर दान के रूप में प्राप्त करने वाले जूना अखाड़े के महंत कौशल गिरि को सात साल के लिए अखाड़े से निष्कासित कर दिया गया है। इसके साथ ही राखी को वापस घर भेज दिया गया।वहां राखी को नया नाम गौरी गिरी महारानी दिया गया। वे परिजनों के साथ मथुरा के गोकुल आ गईं। राखी परिवार की सबसे बड़ी बेटी हैं। दूसरी बेटी निक्की सात साल की है।

# प्लाटिंग पर चला LDA का बुलडोजर, ७ किए गए सील; कहीं आपका प्लॉट तो इसी में नहीं?

**लखनऊ**

लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर शहर में अवैध निर्माण और प्लाटिंग के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में शुक्रवार को प्रवर्तन टीम ने विभिन्न इलाकों में कार्रवाई की. इस दौरान काकोरी में दो अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया. इसके अलावा अमीनाबाद, हुसैनगंज, निशातगंज और बालागंज में सात अवैध निर्माण सील किए गए.प्रवर्तन जोन–3 की जोनल अधिकारी वंदाना पांडेय ने बताया कि मुकेश यादव और अन्य द्वारा काकोरी के मौदा में टी.एस. मिश्रा कॉलेज से पहले लगभग आठ बीघा क्षेत्रफल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए वेलकम सिटी नाम से कॉलोनी विकसित की जा रही थी. इसी तरह मनीष सिंह और अन्य द्वारा काकोरी के समदा में महावीर हार्डवेयर के पीछे लगभग 10 बीघा क्षेत्रफल में सिंह प्रॉपर्टीज नाम से अवैध प्लाटिंग की जा रही थी.प्राधिकरण से ले–आउट स्वीकृत कराए बिना की जा रही इन दोनों अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध आठ वर्ष पहले ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई थी. वर्तमान में डेवलपर द्वारा पुनः स्थल पर निर्माण एवं विकास का कार्य कराया जा रहा था, जिसे प्रवर्तन टीम द्वारा प्राधिकरण पुलिस और स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से दोबारा ध्वस्त कर दिया गया. प्रवर्तन जोन–6 के जोनल अधिकारी शशिभूषण पाठक ने बताया कि आमिर, गौरव और अन्य द्वारा हुसैनगंज में लालकुआं रोड पर लगभग 101 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखंड पर निर्माण कार्य कराया जा रहा था. वहीं योगेन्द्र पाल, रेहान और अन्य द्वारा निशातगंज के न्यू हैदराबाद में 220 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखंड पर अवैध निर्माण कराया जा रहा था.इसके अलावा मोहम्मद अजान, शकील अहमद और सरसू द्वारा अमीनाबाद की मारवाड़ी गली में लगभग 100–100 वर्गमीटर क्षेत्रफल के तीन भूखंडों पर अवैध निर्माण कराया जा रहा था. इसी तरह अजय अग्रवाल और अन्य द्वारा अमीनाबाद की झौवे वाली गली में लगभग 80 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखंड पर व्यावसायिक निर्माण कराया जा रहा था. मानचित्र स्वीकृत कराए बिना अवैध रूप से किए जा रहे इन छह निर्माण कार्यों को प्रवर्तन टीम द्वारा सील करदिया गया

# जीवनभर स्मरणीय रहेगा... महाकुंभ २०२५ में मुसलमानों की एंट्री पर क्या बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

प्रयागराज यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को महाकुंभ नगर में आकाशवाणी के एफएम रेडियो चौनल का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कई मुद्दों पर बातचीत की। योगी ने यूपी के मुख्यमंत्री के रूप में देश और दुनिया से आने वाले संत और श्रद्धालुओं की सेवा के अवसर को अपना सौभाग्य बताया। उन्होंने कहा कि एक साल पहले अयोध्या में 500 सालों का इंतजार खत्म करके रामलला का विराजमान होना और 144 सालों बाद इस तरह के मुहूर्त में महाकुंभ का होना, ये ईश्वर की कृपा है।एक मीडिया चौनल के कार्यक्रम में योगी ने वक्फ बोर्ड को भूमाफिया बोर्ड करार दे दिया। उन्होंने कहा कि किसी भूमाफिया को यहां की जमीन पर कब्जा नहीं करने देंगे। महाकुंभ में मुसलमानों के प्रवेश को लेकर भी योगी ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सनातन पर उंगली उठाने वाले लोग यहां न आए तभी अच्छा रहेगा। जो अपने आपको भारतीय मानता है और सनातना परंपरा के प्रति श्रद्धा का भाव रखता है वे जरूर आएं। बहुत साल पहले बहुत सारे लोगों ने इस्लाम अपना लिया था, उनकी कुछ पीढ़ियां आज भी सनातन में विश्वास रखती हैं।

श्मुख्यमंत्री ने कहा कि ये उन लोगों के चेतावनी है जो सनातन परंपरा की आस्था को ठेस पहुंचाने का काम करते हैं। महाकुंभ में कोई भी आ सकता है। ये ऐसा स्थल है जहां जाति और पंथ की दीवारें समाप्त हो जाती हैं। यहां किसी भी तरह के भेदभाव के लिए जगह नहीं है। महाकुंभ के बारे में तो एक मान्यता है कि यहां वसुधैव कुंटुबकम देखने को मिलता है। लेकिन अगर कोई बुरी मानसिकता के साथ यहां आएगा तो उसे खुद को भी अच्छा नहीं लगेगा और उसे जीवन भर यह स्मरणीय रहेगा।आपको बता दें कि कुछ दिन पहले आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने बयान जारी कर कहा था कि महाकुंभ मेले की जमीन वक्फ बोर्ड की है। महाकुंभ नगर की लगभग 54 बीघा जमीन वक्फ बोर्ड की है। मुसलमानों ने बड़ा दिल दिखाते हुए कोई आपत्ति नहीं की है। कुंभ मेले की सारे इंतजाम उसी वक्फ की जमीन पर हो रहे हैं। दूसरी तरफ, अखाड़ा परिषद के लोग

# एक हिस्ट्रीशीटर 34 साल तक थाने का होमगार्ड बना रहा, कैसे राज़ हुआ फ़ाश

उत्तर प्रदेश में 34 साल से होमगार्ड की नौकरी कर रहे नंदलाल को पुलिस ने एक शिकायत के आधार पर आज़मगढ़ में गिरफ़्तार कर लिया. पुलिस ने बताया है कि ज़िले के रानी की सराय थाने के रिकॉर्ड्स में उनका नाम 1988 से ही बतौर हिस्ट्रीशीटर दर्ज था उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी पहचान बदलकर होमगार्ड की नौकरी पाई. दरअसल नंदलाल का अपने रिश्तेदारों के साथ झगड़ा हो गया था जिसके बाद ये मामला प्रकाश में आया.नंदलाल का पूर्व नाम नकदू था. ज़िले के रानी की सराय थाने के रिकॉर्ड्स में उनका नाम 1988 से ही बतौर हिस्ट्रीशीटर दर्ज था.वो एक नए नाम से न केवल जेल के बाहर जीवन जी रहे थे बल्कि वो होमगार्ड की नौकरी पाने में भी सफल रहे.आज़मगढ़ के पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने बताया कि नंदलाल उर्फ नकदू मूल रूप से थाना रानी की सराय के रहने वाले हैं. वो 1990 से थाना मेंहनगर में होमगार्ड के रूप में ड्यूटी भी कर रहे थे.पुलिस को यह जानकारी मिली थी कि 1984 से लेकर 1989 के बीच उनके ख़िलाफ़ कई मुक़दमे पंजीकृत हुए थे .हालांकि इस प्रकरण में पुलिस पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं क्योंकि मेंहनगर थाने और रानी के सराय थाने के बीच की दूरी महज़ 15 किलोमीटर ही है.पुलिस के मुताबिक़, नंदलाल उर्फ नकदू पर गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई हुई थी. अभियुक्त नंदलाल की पहचान उजागर होने की कहानी और गिरफ़्तारी भी उतनी ही दिलचस्प है, जितना कि उनका इतने लंबे वर्षों तक पहचान छिपाकर जीना. 34 साल तक यह बात उजागर नहीं हो सकी कि नंदलाल ही हिस्ट्रीशीटर नकदू हैं. लेकिन कुछ अरसा पहले मारपीट की एक घटना के बाद ये मामला प्रकाश में आया.

दरअसल, अभियुक्त के भतीजे ने तत्कालीन डीआईजी वैभव कृष्ण को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था श्नंदलाल ही हिस्ट्रीशीटर नकदू है. श्डीआईजी के आदेश पर हुई जांच में पुलिस ने आरोपों को सही पाया जिसके बाद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस ने बताया कि उनकी जांच में ये बात सामने आई कि अभियुक्त ने अपना नाम बदलवा लिया था, बाद में वो दस्तावेज़ों में भी अपना नाम बदलवाने में सफल रहे. साल 1990 में वो होमगार्ड के रूप में भर्ती होने में भी कामयाब रहे और तब से वो लगातार होमगार्ड में ड्यूटी कर रहे थे.अभियुक्त नंदलाल उर्फ नकदू ने चौथी क्लास तक पढ़ाई की थी. पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा के मुताबिक़, नक़ली डॉक्यूमेंट्स के आधार पर ही अभियुक्त ने नियुक्ति पाई.पुलिस ने बताया है कि अभियुक्त जेल में है और बाकी जांच जारी है.पुलिस इस पहलू से भी जांच कर रही है कि इतने लंबे वक्त ड्यूटी करने के दौरान वो कहां–कहां तैनात रहे और कैसे अपनी पहचान छुपाने में भी कामयाब रहे.पुलिस अधीक्षक के मुताबिक़, इन सभी चीज़ों की जांच की जा रही है, इस प्रकरण में पुलिस विभाग की या होमगार्ड विभाग की किसी तरह की लापरवाही मिलेगी तो इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों के ख़िलाफ़ भी जांच होगी. हेमराज मीणा ने कहा कि जांच के के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी, अभी इनको (अभियुक्त को) निलंबित कर दिया गया है और उनकी बर्खास्तगी के लिए होमगार्ड

डिपार्टमेंट को सूचित किया गया है. दरअसल नकदू उर्फ नंदलाल की गांव में ही अक्तूबर में रिश्तेदारों के बीच लड़ाई हुई थी.नकदू के भतीजे नंदलाल ने पुलिस को उनके बारे में शिकायत दी, जिसके बाद दूसरे रिश्तेदारों ने भी शिकायत की.शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि नकदू नाम का व्यक्ति अपना नाम बदलकर पुलिस की आंखों में 34 सालों से धूल झोंक होमगार्ड की नौकरी कर रहा है.अभियुक्त के खिलाफ़ 1984 में हत्या का एक मुकदमा दर्ज हुआ था. कई और अपराध में नाम आने के बाद 1988 में उन पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ.आज़मगढ़ के थाना रानी की सराय में अभियुक्त का हिस्ट्रीशीट भी 1988 में खुला था. इसकी संख्या 52 ए है, जिसका सत्यापन भी 1988 से होता रहा है.व्यक्ति के ख़िलाफ़ पहचान छुपाने और धोखाधड़ी के मामले में 2024 में भारतीय न्याय संहिता की धारा 319 (2) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 318 (4) के तहत मामला दर्ज किया गया हैपुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा के मुताबिक़, अभियुक्त ने 1984 में आपसी रंजिश में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी थी.इस अपराध के बाद अभियुक्त का नाम डकैती समेत कई अन्य अपराधिक गतिविधियों में आया था.1988–89 में अभियुक्त पुलिस रडार से गायब हो गया और बाद में फ़र्ज़ी दस्तावेज़ के आधार पर होमगार्ड की नौकरी प्राप्त कर ली थी.रिकॉर्ड्स के मुताबिक़ चौथी कक्षा तक पढ़े अभियुक्त ने नौकरी के लिए आठवीं की मार्क्सशीट जमा की है, जिसमें उसका नाम नंदलाल पुत्र लोकई यादव दर्ज है.पुलिस अब उन अफसरों की भी जांच कर रही है जिन्होंने इसको चरित्र प्रमाणपत्र देने में मदद की या फिर सही से जांच नहीं की थी.अभियुक्त की उम्र अब 57 साल है और जल्दी ही रिटायर होने वाले हैं, तभी इसका भंडाफोड़ हो गया था.साल 2021 में पूरे राज्य में 29 पुलिस वालों के ख़िलाफ़ रंगदारी, झूठे केस में फंसाने से लेकर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था.साल 2024 में एसओ समेत 18 पुलिस वालों को सरकार ने रंगदारी के आरोप में निलंबित किया था. ये सभी बलिया में तैनात थे.हालांकि साल 2020 में कानपुर के बिकरू में गैंगस्टर विकास दुबे के साथ मुठभेड़ में एक डिप्टी एसपी समेत आठ पुलिस कर्मियों की जान चली गयी थी लेकिन इस मामले में कई पुलिसकर्मियों पर लापरवाही के आरोप भी लगे थे.कुछ पुलिस कर्मियों के खिलाफ गैंगस्टर विकास दुबे को मदद पहुंचाने के आरोपों की भी जांच की गयी थी. उस वक़्त कानपुर के चौबेपुर पुलिस स्टेशन के सभी पुलिस कर्मियों का तबादला भी कर दिया गया था.उत्तर प्रदेश में साल 2017 से बीजेपी नेता योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली बीजेपी सरकार है.पुलिस के मुताबिक़, यूपी में मार्च 2017 से सितंबर 2024 तक तक़रीबन 12 हज़ार 964 पुलिस एनकाउंटर हुए हैं जिनमें 207 लोगों की मौत हुई है.इस दौरान 27 हज़ार 117 अपराधी पकड़े गए हैं और 6 हज़ार लोग घायल हुए हैं. इसी अवधि में1601 पुलिसवाले घायल हुए हैं और 17 की मौत हुई है जिसमें बिकरू कांड में मारे गए आठ पुलिसकर्मी भी शामिल हैं.एसटीएफ़ के एडीजी अमिताभ यश के मुताबिक़, पिछले साढ़े सात वर्षों में एसटीएफ़ ने 7 हज़ार अपराधियों को पकड़ा है, जिनमें 49 लोगों की मौत मुठभेड़ में हुई है.इन अपराधियों के ऊपर 10 हज़ार से लेकर 5 लाख रुपये तक का इनाम घोषित था.

# चौथी मंजिल से कुत्ते को फेंककर मार डाला

मुरादाबाद। मझोला थाना क्षेत्र के नया मुरादाबाद में चौथी मंजिल से एक कुत्ते को फेंक कर मार दिया गया। इस मामले में पीएफए की जिला अध्यक्ष करुणा शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने दवा व्यापारी समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।मझोला के नया मुरादाबाद सेक्टर 15–ए टावर 11 निवासी करुणा शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि चार जनवरी की सुबह करीब 11.30 बजे गली में घूमने वाला एक कुत्ता बिल्डिंग की छत पर चढ़ गया था। इसी दौरान चार लोग बिल्डिंग की छत पर पहुंच गए और उन्होंने कुत्ते को पीटने के बाद चौथी मंजिल से फेंक दिया। जिसमें कुत्ते की मौत हो गई।उन्होंने बताया कि वह आवाज सुनकर अपने फ्लैट से बाहर आ गईं। उन्होंने देखा कि कुत्ते को फेंकने के बाद चारों युवक अपने–अपने फ्लैट में घुस गए।उन्होंने बताया कि कुत्ते को फेंकने वालों में आरोपी हिमांशु यादव, हेमापाल, अर्पित जैन और ऋषभ शामिल हैं। इसके बाद पुलिस ने कुत्ते के शव का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद गड्ढे में दफना दिया।सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर चार लोगों के खिलाफ बेजुबान की हत्या और पशु क्रूरता अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है

# पिज्जा के लिए...पति पर फेंका गर्म दूध का गिलास, फिर छोड़ दी ससुराल,

पिज्जा मांग रही पत्नी को पति ने पीने के लिए गर्म दूध दे दिया। गुंस्से में उसने गिलास फेंक दी और मायके चली गई। पुलिस से शिकायत करने पर शनिवार को मामला परिवार परामर्श केंद्र में पहुंचा। बाद में काउंसलर ने मामले में किसी तरह दोनों पक्षों सुलह का रास्ता तलाशा। शहर में रहने वाले इस जोड़े की शादी वर्ष 2023 में हुई थी। काउंसलर डॉ. सतीश खिरवार ने बताया कि पत्नी कई दिन से

पिज्जा खाने की बात कह रही थी। पति ने मना किया कहा कि दूध तुम्हारी सेहत के लिए अच्छा है। इतना सुनते ही गुस्साई पत्नी ने दूध का गिलास फेंक दिया।

पिछले दो महीने से मायके में रह रही थी। रविवार को दोनों को बुलाकर सुलह कराई गई। कहा गया कि सेहत अच्छी होने पर पिज्जा खा सकेगी।काउंसलर ने बताया कि 15 वादों का निस्तारण कराया गया।

# इंग्लैंड के खिलाफ टी-२० सीरीज में ध्रुव का चयन, पिता ने जताई खुशी; इनका आभार

इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी–20 सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में आगरा के ध्रुव जुरेल का चयन होने से परिवार में खुशी का माहौल है। जब पिता नेम सिंह को यह खबर दी गई तो वह बोले, कि यह केशव ठाकुरजी का आशीर्वाद है। उनकी प्रार्थना है कि बेटा अच्छा प्रदर्शन करके शहर और देश का नाम रोशन करेधोनी को आदर्श मानने वाले ध्रुव भारतीय क्रिकेट की नई उम्मीद बनकर उभरे हैं। उनकी दमदार प्रतिभा के बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें आईपीएल के लिए 14 करोड़ की भारी भरकम रकम देकर रिटेन किया है। उत्तर प्रदेश की अंडर–19 टीम की ओर से रणजी ट्रॉफी खेलने से पहले वह अंडर–14 और अंडर–16 वर्ग में भी प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

उनकी कप्तानी में भारत ने अंडर–19 एशिया कप भी जीता है। इसके अलावा अंडर–19 टीम में विश्व कप में भारत की ओर से खेल चुके हैं। वर्ष 2023 में वह आईपीएल में पहली बार खेले। इसके बाद उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।पिता नेम सिंह अपने बेटे को सेना में भर्ती करना चाहते थे। लेकिन आगरा में उनके कोच परविंदर यादव ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उनके पिता को उसे क्रिकेट खिलाने के लिए कहा। इसके बाद वह क्रिकेट में लगातार मेहनत करते गए। कुछ वर्षों बाद वह क्रिकेट में और निखार लाने के लिए कोच फूल सिंह के पास नोएडा चले गए। पिछले साल उन्होंने दिलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में धोनी के रिकॉर्ड की बराबरी भी की। ध्रुव अपनी सफलता का श्रेय पूर्व सैनिक पिता व माता को देते हैं। 23 वर्षीय ध्रुव ने 15 फरवरी 2024 को इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेला था।ध्रुव के शामिल होने से इंडिया टीम को काफी मजबूती मिलेगी। विकेटकीपिंग के साथ वह आक्रामक बल्लेबाजी से भी बेहतर प्रदर्शन कर भारत को जीत दिलाने में अहम योगदान दे सकते हैं। नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में हुई इंडिया ए टीम और ऑस्ट्रेलिया ए टीम के मध्य अनौपचारिक टेस्ट मैच में भी ध्रुव ने शानदार प्रदर्शन किया था। उनके कोच परविंदर सिंह का कहना है कि ध्रुव मेहनती प्रतिभाशाली है।

# Shine City में निवेश कराकर करोड़ों की ठगी, यूपी STF ने ५० हजार के इनामी को दबोचा

सुल्तानपुर साइन सिटी इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में जमीन और प्लाट के नाम पर निवेश कराकर करोड़ों की ठगी मामले में पुलिस ने एक्शन लिया है। यूपी एसटीएफ ने 50 हजार के इनामिया आरोपित को एसटीएफ ने जिले की कोतवाली नगर के पयागीपुर चौराहे से गिरफ्तार किया है। दो दिन के अंदर यूपी एसटीएफ की इस केस में जिले में ये दूसरी बड़ी सफलता है।ठगी करने का आरोपित विनय कुमार सिंह बलिया के गड़वार थाना क्षेत्र के टेकारी हजौली गांव का रहने वाला है जिसके खिलाफ कोतवाली नगर में साल 2022 में तीन केस दर्ज हुए थे और विनय को ठगी करने वाले गिरोह का सक्रिय सदस्य मानते हुए पुलिस ने 50 हजार का इनामिया अभियुक्त घोषित किया था। शनिवार शाम एसटीएफ दरोगा हरीश सिंह चौहान ने टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर इनामिया आरोपित विनय कुमार सिंह को कोतवाली नगर के पयागीपुर चौराहे से गिरफ्तार किया।प्लाट के नाम पर किया था ठगी एसटीएफ की पूछताछ में विनय कुमार सिंह ने बताया कि वह साल 2014 से 2019 तक साइन सिटी कंपनी में कंपनी के एमडी राशिद नसीम के प्राइवेट गनर और ड्राइवर के रूप में काम करता था। राशिद नसीम ने इसके काम और विश्वश्नीयता को देखते हुए सुलतानपुर मे कंपनी की नई साइट साइन सिटी प्रोक्सिमा डेवलपर्स में विनय को पार्टनर रजिस्टर्ड के रूप में पंजीकृत कराया गया था। यह प्लाट दिलाने के नाम पर निवेशकों से अपने खाते में पैसा लेता था। कंपनी के भाग जाने पर पार्टनर होने एवं खाते में पैसा लेने के कारण उसके नाम मुकदमा लिखा गया जिसमे गिरफ्तारी से बचने के लिए वह भाग रहा था। यूपी एसटीएफ के शिव कुमार अवस्थी की टीम ने बुधवार को साइन सिटी में इन्वेस्टमेंट के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले अब्दुल हक पुत्र मो. सलीम निवासी ग्राम सनाहा थाना रौनाही जनपद अयोध्या को ड्यौढ़ी बाजार मोड़ बाजार मोड़ थाना रौनाही के सामने मोड़ के पास गिरफ्तार किया था। इस पर भी पचास हजार का इनाम था। कोतवाली नगर में इसके विरुद्ध गबन, धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाने का तीन मामला दर्ज है।

# महाकुंभ की जमीन को वक्फ बोर्ड की बताने वाले अब योगी के बयान को सही बताया,

प्रयागराजरू उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ के शुरू होने में अब कुछ दिन बाकी रह गए हैं। योगी सरकार महाकुंभ मेला को दिव्य और भव्य बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। हालांकि, मौलाना शहाबुद्दीन रजवी के कुंभ मेले की जमीन को वक्फ बोर्ड की होने का दावा करने के बाद राजनीति शुरू हो गई है।सीएम योगी आदित्यनाथ ने वक्फ बोर्ड को लेकर जोरदार हमला बोल दिया है। जिसके बाद मौलाना शहाबुद्दीन रजवी का एक नया बयान आ गया है। मौलाना ने मुसलमानों से महाकुंभ आने वाले साधु–संतों और श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा करने की अपील की है। साथ ही कुंभ की तैयारियों और व्यवस्थाओं के लिए सीएम योगी को मुबारकबाद दी है।

ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कुंभ मेले में आए साधु–संतों और श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दी हैं। उनकी ख्वाहिश है कि महाकुंभ का मेला अमन और शांति के साथ अच्छे अंदाज में सम्पन्न हो। मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने प्रयागराज के मुसलमानों से अपील की कि वो खुशहाली और सद्भाव के लिए मोहल्लों और गांव से गुजरने वाले श्रद्धालुओं पर फूल वर्षा करके उनका स्वागत करें।उन्होंने कहा कि इस्लाम भाईचारे का मजहब है। पैगम्बर इस्लाम ने प्यार और मोहब्बत की शिक्षा दी है। इसके साथ ही मौलाना ने कहा कि सीएम योगी ने महाकुंभ मेले के लिए बहुत शानदार व्यवस्थाएं की हैं। इसके लिए मौलाना ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मुबारकबाद देते हुए कहा कि करोड़ों लोगों के लिए इंतजाम करना कोई मामूली बात नहीं है।मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने सीएम योगी आदित्यनाथ के वक्फ बोर्ड को लेकर दिए गए बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने जमीन–जायदाद वक्फ को दी थी। इसका मकसद था कि इससे होने वाली कमाई को गरीब, कमजोर और लाचार मुसलमानों पर खर्च की जाएगी। इससे यतीमों और बेवाओं की मदद होगी। आने वाली युवा पीढ़ी के बच्चों की पढ़ाई के लिए खर्चा किया जाएगा, लेकिन ऐसा न होकर जिम्मेदारों ने भूमाफियाओं से मिलकर करोड़ों की जमीन को रेवड़ियों के भाव खुर्दबुर्द कर दिया है। सही मकसद में ये आमदनी खर्च नहीं हो पाई है।वहीं, मौलाना ने कहा कि वक्फ बोर्ड से होने वाली आमदनी को मुसलमानों की पढ़ाई और आर्थिक हालात में खर्च किए जाते तो पूरे भारत से मुसलमानों की गुरबत खत्म हो जाती। इतना ही नहीं, पूरे भारत में एक भी मुसलमान भीख मांगने वाला नहीं दिखता।

# घरेलू गैस सिलिंडर रिफिलिंग में जोरों पर चल रहा छोटे सिलिंडर का अवैध कारोबार

अमन तिवारी '

लखनऊ। राजधानी से लेकर ग्रामीण इलाकों में रसोई गैस की घटतौली का नेटवर्क छोटे सिलिंडर से होकर गुजर रहा है। जिला प्रशासन के नाक के नीचे धड़ल्ले से हो रहे इस बड़े धंधे पर कभी लगाम नहीं लगी। हर गली और चौक–चौराहे पर छोटी–छोटी दुकानों में रीफिलिंग का कारोबार चल रहा है। 350 से 450 रुपये या इससे भी अधिक दाम पर गैस भरी जा रही है।छात्र और किराये के मकान में रहने वाले लोग पांच किलो और ढाई किलो के छोटे गैस सिलिंडर का इस्तेमाल करते हैं। अवैध रीफिलिंग करने वाले 100 से 200 रुपये अधिक कीमत पर गैस कंपनियों के वेंडरों से सिलिंडर खरीदता है। छोटे गैस सिलिंडर में 95 रुपये से लेकर 110 रुपये प्रति किलो तक के हिसाब से गैस भरी जाती है। इस तरह अवैध गैस रिफलिंग में एक सिलिंडर से दोगुना तक फायदा है।60 हजार है छोटे सिलिंडर के उपभोक्ता .शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों के एजेंसियों से जुड़े लगभग 60 हजार छोटे गैस सिलिंडर के उपभोक्ता हैं। इन्हें एजेंसियों से छोटे गैस सिलिंडर रीफिल कराने की सुविधा प्रदान की गई है। 5 किलो की टंकी वाले छोटे सिलिंडर 335 रुपये में रीफिल होते हैं।

इन इलाकों में रीफलिंग का कारोबार.जानकीपुरम के भवानी बाजार, 60 फ़ीट रोड, एकेटीयू चौराहे, सेक्टर 3, सेक्टर 6, गुडम्बा के सेक्टर जे, शिवानी विहार, टेड़ीपुलिया, छुईयापुरवा, सेक्टर एच बेहटा बाजार आदि इलाकों में यह धंधा जोरों पर है। वहीं मोमोज और फास्टफूड का स्टाल लगाने वाले इन छोटे सिलिंडर का इस्तेमाल कर रहे हैं।यह शिकायत मिलती रहती है कि छोटे गैस सिलिंडर का गलत तरीके से रीफिल किया जा रहा है। बाहरी दुकानों पर रीफिलिंग वाले छोटे सिलिंडर काफी खतरनाक होते हैं। इन सिलिंडर की चादर काफी हल्के होते हैं, जिससे हादसे होते रहते हैं।

**इटौंजा टाइम्स हिन्दी दैनिक**

प्रकाशक मुद्रक सम्पादक ललित कुमार श्रीवास्तव द्वारा साई प्रकाशन 3408 बद्रीनगर नादरगंज से मुद्रित तथा 616/58 अजीज नगर मोहिबुल्लापुर सीतापुर रोड लखनऊ से प्रसारित

संपादक

ललित कुमार श्रीवास्तव

**9651059956**

**www.itaunjatimes.in**

संरक्षक

इमरान अली

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/ लेखों मे लेखको तथा संवाददाताओं के अपने बिचार हैं किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/ मुद्रक/ संपादक की नहीं होगी सभी विवादो का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा